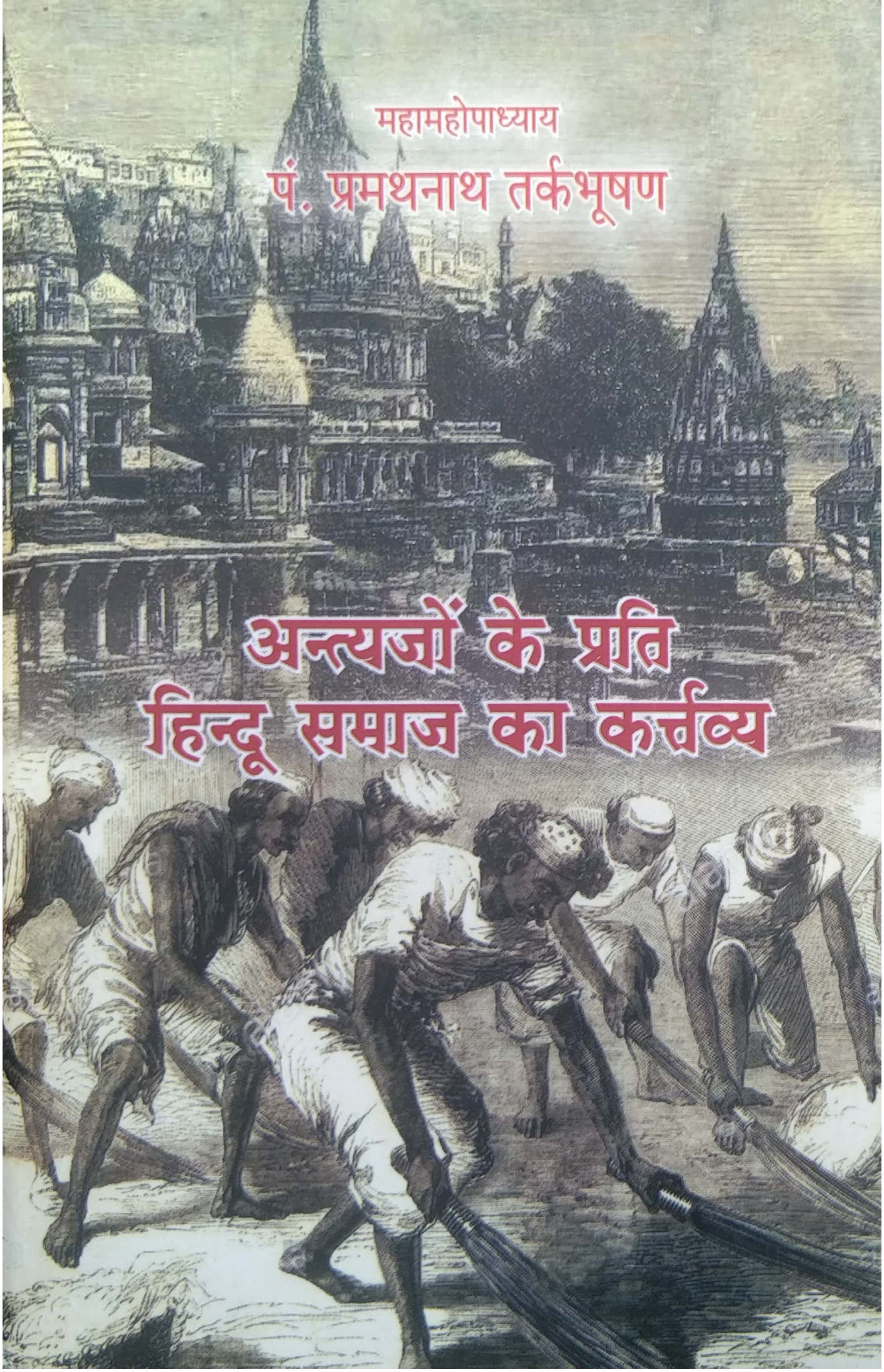

महामहोपाध्याय

पं. प्रमथनाथ तर्कभूषण

अन्त्यजों के प्रति हिन्दू समाज का कर्त्तव्य

Scanned with OKEN Scanner

VĀGYOGA-CHETANĀ - GRANTHAMĀLĀ
(Vol. XXXXVII)

Duty of Hindū Community towards the Loest Caste

Mahāmahopādhyāya
Pt. PRAMATH NATH TARKABHŪṢAṆA
Ex-Principal, Sanskrit College,
Hindu Vishvavidyalaya, Kashi.

Mahāmahopādhyāya
DR. B.P.T. VAGISH SHASTRI,
Ph.D., D.Litt.
Ex-Director & Professor, Research Institute,
Sampurnanand Sanskrit University,
Varanasi.

V.S. 2074 VARANASI 2017

Scanned with OKEN Scanner

प्रकाशकः
सचिवः,
वाग्योगचेतनापीठम्,
बी० ३/१३१ए, शिवाला, वाराणसी-२२१००१
दूरभाषः (०५४२) २२७५७०६; चल० ९९३५४६३६७८, ०९४५५१४३८६३
ई०मेल : vagyogavns@gmail.com
website : www.vagyoga.com;
www.en.wikipedia.org/vagish shastri &
www.angelfire.com.in.vagyoga

प्रथमसंस्करणम् : २०१७

© सर्वाधिकार : आशापति शास्त्री

इस ग्रन्थ की बिना लिखित अनुमति के
किसी प्रकार की अनुकृति का प्रयास सर्वथा वर्जित है।

ISBN : 81-85570-47-7

मूल्यम् : ६०.००

मुद्रक : डी.जी. प्रिंटर्स, खोजवाँ बाजार, वाराणसी.
मो. ०९९३५४०८२४७.

Scanned with OKEN Scanner

विषयानुक्रमणिका

क्र.सं.	विषय	पृष्ठांक
१.	मनुष्यत्व का महत्त्व	७-८
२.	अन्त्यजों को सदाचार का अधिकार	९-११
३.	अन्त्यजों को विद्या और धर्मज्ञान का अधिकार	१२
४.	अन्त्यजों को भक्ति का अधिकार	१३-१६
५.	अन्त्यजों को देवदर्शन और पूजा का अधिकार	१७-२०
६.	अन्त्यजों को.... मन्त्र दीक्षा का अधिकार	२१-२२
७.	अन्त्यजों को तीर्थयात्रा का अधिकार	२३-२४
८.	सामाजिक जीवन में अन्त्यजों का स्थान	२५-२६
९.	अन्त्यजों की सामाजिक सेवा	२७
१०.	अन्त्यज सेवा	२८-२९
११.	आधुनिक स्थिति	३०-३१
१२.	सविनय प्रार्थना	३१-३२

❄

Scanned with OKEN Scanner

महामहोपाध्याय

डॉ. वागीश शास्त्री

डॉ. वागीश शास्त्री उपनाम से प्रख्यात अन्तरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त बहुभाषाविद् महामहोपाध्याय पण्डित भागीरथप्रसाद त्रिपाठी का काशी की पंडितमंडली में अन्यतम स्थान हे। ये परा एवम् अपरा विद्याओं में निष्णात हैं। आचार से प्राचीन किन्तु विचार से नित नूतन नवीन हैं। जब सन् १९६५ में हिन्दू विश्वविद्यालय से हिन्दू शब्द हटाने की चर्चा छिड़ी थी तब डॉ. वागीश शास्त्री ने हिन्दू शब्द पर लेख लिखा जिसका प्रकाशन हिन्दी विश्वकोष के अट्ठारहवें खंड में हुआ। परा अपरा विद्याओं में आपकी देश-विदेश में लंबी शिष्य परम्परा है। 'अन्त्यजों के प्रति हिन्दू समाज का कर्तव्य' पुस्तक का उद्धार इनके नवीन चिन्तन का परिणाम है। महामना मदन मोहन मालवीय ने जब हरिजनों को मन्त्र दीक्षा देने का आन्दोलन प्रारम्भ किया था तब इस पुस्तक के रचयिता महामहोपाध्याय प्रमथनाथ तर्कभूषण ने शास्त्रों का प्रमाण देकर उसका समर्थन किया।

Publisher -
The Secretary, Vāgyoga-chetanāpiṭham
(Yogic Voice Consciousness Institute)
B. 3/131 A, Shivala, Varanasi - 221001(India)
Phone : (0542) 2275706;
Mob : 09455143863; 09935463678
e-mail : vagyogavns@gmail.com.
website : www.vagyoga.com.;
www.en.wikipedia.org/vagish shastri;
www. angelfire.com.in.vagyoga.

ISBN 818557047-7

₹ 60.00

Scanned with OKEN Scanner